

全民阅读
提升版

国学知识

荟萃流传千古的国学精华

全知道

翟明 主编

中国华侨出版社

国学知识

荟萃流传千古的国学精华

全知道



翟明 主编

中國華僑出版社

图书在版编目 (CIP) 数据

国学知识全知道 / 翟明主编. —北京: 中国华侨出版社, 2015.1

ISBN 978-7-5113-5157-9

I . ①国… II . ①翟… III . ①国学—基本知识 IV . ① Z126

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2015) 第 022440 号

国学知识全知道

主 编: 翟 明

出 版 人: 方 鸣

责任编辑: 文 涛

封面设计: 彼 岸

文字编辑: 庄紫妍

美术编辑: 王玲玲

经 销: 新华书店

开 本: 720 毫米 × 1040 毫米 1/16 印张: 26 字数: 706 千字

印 刷: 北京中创彩色印刷有限公司

版 次: 2015 年 5 月第 1 版 2015 年 5 月第 1 次印刷

书 号: ISBN 978-7-5113-5157-9

定 价: 59.00 元

中国华侨出版社 北京市朝阳区静安里 26 号通成达大厦三层 邮编: 100028

法律顾问: 陈鹰律师事务所

发 行 部: (010) 88866079 传 真: (010) 88877396

网 址: www.oveaschin.com

E-mail: oveaschin@sina.com

如发现印装质量问题, 影响阅读, 请与印刷厂联系调换。

前 言



“国学”一说，最早见于近代思想家章太炎先生的《国故论衡》。顾名思义，“国学”，就是中国之学，是中华民族在数千年历史中创造的文化。国学堪称中国人的性命之学，中华文化的学术基础、固本之学，是全面增加文化素养的学问。已故著名国学大师季羨林老先生曾提出“大国学”的概念，他说：“国学应该是‘大国学’的范围，不是狭义的国学。国内各地域文化和56个民族的文化，都包括在‘国学’的范畴之内。”也就是说，广义的“国学”，就是中国之学、中华之学，是中华各民族优秀传统文化学术的总称。国学汇通思想学术、典籍制度、百行百艺、礼仪民俗，蕴涵国脉、国魂、国本，是中国人的根基所在、尊严所在。从20世纪90年代起，国学热再次兴起，如今方兴未艾。

我们的国家，历史悠久，文化灿烂。我们的祖先留下了5000年文化遗产，国学博大精深、包罗万象，可以分为天文、历法、地理、历史、职官、服饰、器物、玉文化、青铜文化、文学、艺术、戏剧、音乐、武术、美食、民俗、礼仪、婚丧、百草医药等方面。国学以学科分，可分为哲学、史学、宗教学、文学、民俗学、伦理学、考据学、版本学等；以传统图书类别分，可分为经、史、子、集四部。具体而言，国学是以先秦经典及诸子百家说学为根基，涵盖两汉经学、魏晋玄学、隋唐佛学、宋明理学，以及同时期的汉赋、六朝骈文、唐宋诗词、元曲、明清小说和历代史学等内容。国学从思想体系上可分为儒、释、道三家。国学的复兴，是时代的呼唤与要求。今天，随着国势上升，我们自然要大力弘扬国学，也要让世界了解我们的国学。了解国学也就是了解我们的历史和现在，也就是了解我们中国人。我们知道，成为文化大国才是真正的强国。在经济全球化背景下，作为一个中国人，我们更应该深入全面地了解自己的国学，绝对不能够数典忘祖。

千百年来，国学已渗透到社会的方方面面，直接影响着国人的思想、意识、伦理、道德和行为。国学不仅是中国悠久传统文化的明证，也是每一个中国人的立身处世之本，更是我们不可或缺的精神力量。学习国学，了解国学，继承和弘扬中国文化，是每个中国人义不容

辞的责任。作为一个现代人，不能不知道传统；作为一个中国人，不能不了解国学。然而，国学典籍汗牛充栋，国学内容庞杂浩繁，即使穷尽毕生之力，也难通万一。

为了帮助读者更方便、更轻松、更快捷地了解 and 掌握必要的国学知识，开阔文化视野、丰富知识储备、提高人文修养，编者对浩如烟海的国学知识进行了适当的取舍，选取了最具代表性、最实用、读者最感兴趣的内容，辑成本书。全书分为国家政治、思想学术、宗教与信仰、天人之学、文学、史学、文化艺术、民俗节日、经世致用之学、百工名物、国学经典等11个篇章，涵盖了国家政治、思想学术、宗教信仰、天文历法、神秘文化、兵制礼制、国学掌故、国学典籍、文学史学、文化艺术、民俗节日、百工名物、国学经典、国学大师等各个方面的内容，为读者轻松掌握国学知识提供了一条捷径。书中既有分门别类的严谨解释，又有引人入胜的传略和逸事，可帮助你领略国学的无穷魅力。

本书在广泛收集资料的基础上，力求在“新、奇、趣”上下功夫。“新”就是鲜为人知的，很少被其他书籍提到的知识；“奇”就是不一般，能让人的精神为之一震的事物；“趣”即是兴趣，也是趣味，是人们想看、愿意看的东西。同时，书中还选配了近百幅包含多种文化元素的精美图片，与文字相辅相成，使读者身临其境，对国学产生浓厚的兴趣，从中体味到中国传统文化的博大精深。

在走向世界的今天，每一个中国人都应该具备良好的国学素养。请翻开本书，走进博大精深的国学长廊，领悟国学的精髓，感受国学的智慧，把握传统文化的脉搏，丰富自身的内涵，成为文化达人。

目 录



第一篇 国家政治

国家与王朝

| | |
|------------------|----|
| 中国早期六大文化区系····· | 2 |
| “天下”的范围····· | 2 |
| “中国”一词的由来····· | 3 |
| “华夏”代指中国的缘由····· | 3 |
| 四夷····· | 4 |
| 匈奴的兴衰····· | 4 |
| 鲜卑人的历程····· | 4 |
| 强盛一时的突厥····· | 5 |
| 回纥汗国····· | 5 |
| 古老的羌人····· | 5 |
| 吐蕃雄霸高原····· | 6 |
| 党项人的西夏····· | 6 |
| 契丹王朝····· | 6 |
| 云南大理国····· | 7 |
| 女真····· | 7 |
| 蒙古帝国····· | 7 |
| 三代之治····· | 8 |
| 夏王朝····· | 8 |
| 商朝····· | 8 |
| 西周王朝····· | 9 |
| 春秋时代····· | 9 |
| 战国巨变····· | 10 |
| 秦····· | 10 |
| 西汉····· | 10 |
| 东汉····· | 11 |
| 三国鼎立····· | 11 |
| 西晋和东晋····· | 11 |
| 南北朝乱局····· | 12 |
| 隋朝····· | 12 |

| | |
|-------------|----|
| 唐朝····· | 13 |
| 五代十国····· | 13 |
| 宋朝富而不强····· | 14 |
| 元朝····· | 14 |
| 朱明王朝····· | 15 |
| 清王朝····· | 15 |

职官制度

| | |
|--------------|----|
| 王····· | 16 |
| 嫡长子制····· | 16 |
| 卿大夫····· | 16 |
| 皇帝····· | 17 |
| 储君皇太子····· | 17 |
| 三公九卿····· | 17 |
| 宰相····· | 18 |
| 十三曹····· | 18 |
| 太尉与大司马····· | 18 |
| 御史大夫····· | 19 |
| 郡县制和州县制····· | 19 |
| 郡守和县令····· | 20 |
| 刺史····· | 20 |
| 三辅····· | 20 |
| 侨郡县····· | 20 |
| 三省六部制····· | 21 |
| 三省的职能····· | 21 |
| 六部的职能····· | 22 |
| 尚书仆射····· | 22 |
| 侍中····· | 22 |
| 中书令····· | 23 |
| 侍郎····· | 23 |
| 政事堂····· | 23 |
| 御史台····· | 23 |
| 唐代五监····· | 24 |
| 观察使····· | 24 |

| | | | |
|---------------|----|-------------|----|
| 参知政事 | 24 | 进士科 | 38 |
| 计相 | 25 | 明经科 | 39 |
| 谏官 | 25 | 翰林院 | 39 |
| 路、军、府、州 | 25 | 武科 | 39 |
| 知府与知州 | 26 | 翻译科 | 39 |
| 转运使 | 26 | 八股文取士 | 40 |
| 宣政院 | 26 | 童试与乡试 | 40 |
| 行省制度 | 27 | 会试 | 40 |
| 内阁 | 27 | 殿试 | 41 |
| 大学士 | 27 | 朝考 | 41 |
| 司礼太监 | 27 | 状元及第 | 41 |
| 都察院 | 28 | 榜眼、探花 | 42 |
| 东西二厂 | 28 | 进士 | 42 |
| 锦衣卫 | 29 | 举人 | 42 |
| 三司 | 29 | 秀才 | 43 |
| 军机处 | 29 | 门生 | 43 |
| 南书房 | 30 | 荫生 | 44 |
| 总督 | 30 | 监生 | 44 |
| 巡抚 | 30 | 贡生 | 44 |
| 总理衙门 | 31 | 帖经、帖括 | 44 |
| 钦差大臣 | 31 | 试帖诗 | 45 |
| 驻外大使 | 31 | 连中三元 | 45 |
| 品阶 | 31 | 蟾宫折桂 | 45 |
| 封爵 | 32 | 科举四宴 | 46 |
| 俸禄 | 32 | | |
| 官员 | 33 | 古代礼制 | |
| 幕僚 | 33 | 宗法 | 46 |
| 酷吏与循吏 | 33 | 五礼 | 46 |
| 大臣与权臣 | 34 | 吉礼 | 47 |
| 宦官 | 34 | 斋戒 | 47 |
| | | 祭品 | 47 |
| 从察举到科举 | | 礼器 | 48 |
| 世卿世禄制 | 35 | 凶礼 | 48 |
| 征辟 | 35 | 丧礼 | 48 |
| 郎官郎吏 | 35 | 葬仪 | 49 |
| 察举制度 | 36 | 墓葬 | 49 |
| 贤良方正 | 36 | 陵寝 | 49 |
| 举孝廉 | 36 | 服丧 | 50 |
| 九品中正制 | 37 | 五服 | 50 |
| 科举制 | 37 | 避讳 | 50 |
| 常科 | 37 | 谥号 | 50 |
| 制科 | 38 | 军礼 | 51 |
| 恩科 | 38 | 宾礼 | 51 |

| | |
|------|----|
| 朝聘之礼 | 51 |
| 相见礼 | 52 |
| 嘉礼 | 52 |
| 冠礼 | 52 |
| 婚礼 | 53 |
| 守制 | 53 |

兵制与刑制

| | |
|-------|----|
| 兵制 | 53 |
| 民兵制 | 54 |
| 烽燧传警 | 54 |
| 三军 | 54 |
| 将军 | 54 |
| 军队编制 | 55 |
| 秦汉军制 | 55 |
| 征兵制 | 55 |
| 战阵 | 56 |
| 府兵制 | 56 |
| 都护府 | 56 |
| 节度使 | 57 |
| 枢密院 | 57 |
| 禁军和厢军 | 57 |
| 募兵制 | 57 |
| 猛安谋克 | 58 |
| 五军都督府 | 58 |
| 卫所制度 | 58 |
| 镇 | 58 |
| 八旗制度 | 59 |
| 绿营兵 | 59 |
| 兵与勇 | 59 |
| 刑制 | 59 |
| 大理寺 | 60 |
| 刑部 | 60 |
| 成文法 | 60 |
| 《秦律》 | 61 |
| 《唐律》 | 61 |
| 《明大诰》 | 61 |
| 七出 | 61 |
| 十恶不赦 | 62 |
| 连坐和族诛 | 62 |
| 凌迟 | 62 |
| 秋决制度 | 63 |

赋役和其他制度

| | |
|-------|----|
| 井田 | 63 |
| 占田法 | 63 |
| 户籍 | 64 |
| 算赋和口赋 | 64 |
| 三十税一 | 64 |
| 盐铁官营 | 65 |
| 均田制 | 65 |
| 租庸调制 | 65 |
| 两税制 | 65 |
| 徭役 | 66 |
| 一条鞭法 | 66 |
| 摊丁入亩 | 67 |
| 木铎 | 67 |
| 大比和貌阅 | 67 |
| 太医署 | 67 |
| 驿传 | 68 |
| 后妃制度 | 68 |
| 一妻多妾制 | 68 |

政局大变革

| | |
|---------|----|
| 尧舜禹禅让 | 69 |
| 禹传子，家天下 | 69 |
| 商汤灭夏 | 69 |
| 武丁中兴 | 70 |
| 文王兴周 | 70 |
| 周公制礼乐 | 70 |
| 管仲相齐 | 70 |
| 商鞅变法 | 71 |
| 秦始皇统一六国 | 71 |
| 李斯的贡献 | 71 |
| 汉高祖得天下 | 72 |
| 萧何定汉制 | 72 |
| 汉武帝大一统 | 72 |
| 王莽改制 | 73 |
| 光武中兴 | 73 |
| 曹魏代汉 | 73 |
| 诸葛亮治蜀 | 73 |
| 魏孝文帝改革 | 74 |
| 隋文帝杨坚 | 74 |
| 贞观之治 | 74 |

| | |
|------------|----|
| 女皇武则天 | 75 |
| 黄巢起义 | 75 |
| 石敬瑭卖晋 | 75 |
| 陈桥驿兵变 | 76 |
| 王安石变法 | 76 |
| 岳飞抗金 | 76 |
| 文天祥 | 76 |
| 成吉思汗雄霸草原 | 77 |
| 忽必烈治元 | 77 |
| 明太祖的肇划 | 77 |
| 张居正改革 | 78 |
| 魏忠贤专权 | 78 |
| 李自成起义 | 78 |
| 努尔哈赤崛起 | 79 |
| 康熙统一中国 | 79 |
| 林则徐销烟 | 79 |
| 洪秀全与太平天国运动 | 80 |
| 曾国藩中兴清朝 | 80 |
| 李鸿章的外交 | 80 |
| 慈禧太后守业卖国 | 80 |
| 康有为维新 | 81 |
| 公车上书 | 81 |
| 戊戌变法 | 81 |
| 《辛丑条约》 | 81 |
| 清帝退位 | 82 |
| 中华民国成立 | 82 |

第二篇 思想学术

古代哲学命题

| | |
|---------|----|
| 气 | 84 |
| 道 | 84 |
| 太极 | 85 |
| 阴阳 | 85 |
| 五行 | 85 |
| 八卦 | 86 |
| 有与无 | 86 |
| 动与静 | 87 |
| 古与今 | 87 |
| 知与行 | 87 |
| 常与变 | 88 |
| 形而上与形而下 | 88 |

| | |
|-----------|----|
| “理” | 88 |
| 和为贵 | 89 |
| 天理人欲 | 89 |
| 良知良能 | 89 |
| 天命 | 90 |
| 天人合一 | 90 |
| 天人感应 | 90 |
| 人为万物之灵 | 91 |
| 人皆可以为尧舜 | 91 |
| 自强不息，厚德载物 | 92 |
| 心外无物 | 92 |
| 性善论 | 92 |
| 性恶论 | 92 |
| 道法自然 | 93 |
| 齐善恶 | 93 |
| 为我 | 93 |
| 格物致知 | 93 |
| 致良知 | 94 |

伦理、修养和品格

| | |
|-----------|-----|
| 人伦 | 94 |
| 礼义廉耻 | 94 |
| 三纲 | 94 |
| 五常 | 95 |
| 孝 | 95 |
| 父慈子孝 | 96 |
| 身体发肤，受之父母 | 96 |
| 不孝有三，无后为大 | 96 |
| 出则悌 | 96 |
| 忠 | 96 |
| 仁者爱人 | 97 |
| 克己复礼 | 97 |
| 义 | 97 |
| 礼 | 98 |
| 智 | 98 |
| 信 | 98 |
| 勇 | 98 |
| 益友与损友 | 99 |
| 守静 | 99 |
| 内省 | 99 |
| 寡欲 | 99 |
| 知耻 | 100 |
| 慎独 | 100 |

| | | | |
|-----------------|-----|-----------------------|-----|
| 正心诚意····· | 100 | 董仲舒····· | 115 |
| 三纲领····· | 101 | 竹林七贤····· | 115 |
| 学问思辨····· | 101 | 周敦颐····· | 116 |
| 知足····· | 101 | 程颐····· | 116 |
| 温、良、恭、俭、让····· | 101 | 朱熹····· | 117 |
| 己所不欲，勿施于人····· | 101 | 王守仁····· | 117 |
| 中庸····· | 102 | 李贽····· | 118 |
| 杀身成仁····· | 102 | 颜元····· | 118 |
| 舍生取义····· | 102 | 严复····· | 119 |
| 独善和兼济····· | 103 | 儒家 | |
| 气节····· | 103 | 大同····· | 119 |
| 三从四德····· | 103 | 小康····· | 119 |
| 内圣外王····· | 103 | 天命无常，敬德保民····· | 120 |
| 学术流派和思想家 | | 礼乐征伐自天子出····· | 120 |
| 百家争鸣····· | 104 | 尊尊与亲亲····· | 120 |
| 儒学····· | 104 | 穷则变，变则通····· | 120 |
| 经学····· | 104 | 上天有好生之德····· | 121 |
| 今文经学····· | 105 | 得民心者得天下····· | 121 |
| 古文经学····· | 105 | 礼治····· | 121 |
| 讖纬····· | 105 | 中和····· | 121 |
| 玄学····· | 106 | 君君，臣臣，父父，子子····· | 122 |
| 程朱理学····· | 106 | 名不正则言不顺····· | 122 |
| 陆王心学····· | 106 | 为政以德····· | 122 |
| 小学····· | 107 | 宽政安民为上····· | 122 |
| 宋学····· | 107 | 上行下效····· | 122 |
| 汉学····· | 108 | 子不语怪、力、乱、神····· | 123 |
| 道家····· | 108 | 不知生，焉知死····· | 123 |
| 黄老学派····· | 109 | 君权神授····· | 123 |
| 墨家····· | 109 | 罢黜百家，独尊儒术····· | 123 |
| 法家····· | 110 | 大一统····· | 124 |
| 兵家····· | 110 | 王守仁格竹····· | 124 |
| 阴阳家····· | 110 | 龙场顿悟····· | 124 |
| 纵横家····· | 111 | 知行合一····· | 124 |
| 杂家····· | 111 | 满街都是圣人····· | 125 |
| 诸子····· | 111 | 穿衣吃饭即是人伦物理····· | 125 |
| 孔子····· | 112 | 经世致用思潮····· | 125 |
| 孟子····· | 112 | 道家 | |
| 荀子····· | 112 | 老子之道····· | 125 |
| 老子····· | 113 | 道与自然····· | 126 |
| 庄子····· | 113 | 道生一，一生二，二生三，三生万物····· | 126 |
| 韩非子····· | 114 | 柔弱胜刚强····· | 126 |
| 墨子····· | 114 | | |

| | |
|-----------|-----|
| 无为而治 | 126 |
| 治大国若烹小鲜 | 127 |
| 小国寡民 | 127 |
| 民不畏死 | 127 |
| 祸福相倚 | 127 |
| 老子的三宝 | 128 |
| 慎始慎终 | 128 |
| 功成身退 | 128 |
| 上善若水 | 128 |
| 庄子的齐物论 | 128 |
| 逍遥游 | 129 |
| 螳螂捕蝉 | 129 |
| 庄子鼓盆而歌 | 129 |
| 白驹过隙 | 130 |
| 庖丁解牛与养生 | 130 |
| 只可意会 | 130 |
| 庄周梦蝶 | 131 |
| 外化而内不化 | 131 |
| 井底之蛙与东海之鳖 | 131 |

法家、墨家和其他思想

| | |
|------------|-----|
| 法先王 | 132 |
| 法治 | 132 |
| 公私之交，存亡之本 | 133 |
| 法、术、势 | 133 |
| 法教 | 134 |
| 法后王 | 134 |
| 王霸 | 134 |
| 自相矛盾 | 135 |
| 三表法 | 135 |
| 明故、辨类、是非之理 | 135 |
| 兼相爱，交相利 | 136 |
| 非攻 | 136 |
| 节用、节葬 | 136 |
| 尚贤与尚同 | 136 |
| 非命论 | 137 |
| 慎战 | 137 |
| 不战而屈人之兵 | 137 |
| 五事七计 | 137 |
| 损一毛利天下而不为 | 138 |
| 贤者与民并耕 | 138 |
| 合同异 | 138 |

第三篇 宗教与信仰

华夏图腾及文化符号

| | |
|---------|-----|
| 伏羲人首蛇身 | 140 |
| 女娲 | 140 |
| 中华龙图腾 | 140 |
| 龙生九子 | 140 |
| 凤凰 | 141 |
| 麒麟 | 141 |
| 四大瑞兽 | 141 |
| 饕餮 | 142 |
| 狮子 | 142 |
| 猛虎 | 142 |
| 羊 | 142 |
| 瑞鹿 | 143 |
| 鹤 | 143 |
| 鸳鸯 | 143 |
| 喜鹊 | 143 |
| 蝙蝠与福文化 | 144 |
| 龟寿延年 | 144 |
| 蟾蜍与财富观念 | 144 |
| 鲤鱼的隐喻 | 144 |
| 仙果桃 | 145 |
| 葫芦的寓意 | 145 |
| 莲花的内涵 | 145 |
| 岁寒三友 | 145 |

儒教

| | |
|--------|-----|
| 儒教 | 146 |
| 天地崇拜 | 146 |
| 祖先崇拜 | 146 |
| 君师崇拜 | 147 |
| 封禅 | 147 |
| 郊祭大典 | 147 |
| 地祇后土 | 148 |
| 社稷 | 148 |
| 天子的明堂 | 148 |
| 宗庙 | 148 |
| 天命 | 149 |
| 天子 | 149 |
| 中国人的祖宗 | 149 |

| | | | |
|-------------|-----|---------------|-----|
| 家庙和祠堂····· | 150 | 二十四节气····· | 162 |
| 祭祖····· | 150 | 黄历····· | 163 |
| 鬼神观念····· | 150 | 阴历与阳历····· | 163 |
| 祭孔大典····· | 150 | 浑天仪····· | 163 |
| 城隍····· | 151 | 漏刻、日晷和圭表····· | 164 |
| 灶君····· | 151 | 一行测算子午线····· | 164 |
| 关帝崇拜····· | 151 | 张衡····· | 164 |
| 道教 | | 祖冲之与圆周率····· | 165 |
| 道教····· | 152 | 沈括····· | 165 |
| 鬼神崇拜····· | 152 | 郭守敬····· | 165 |
| 神仙方术····· | 152 | 独特的中医 | |
| 黄老之学····· | 152 | 中医····· | 166 |
| 道德····· | 153 | 中医的理论基础····· | 166 |
| 玉皇大帝····· | 153 | 四诊八纲····· | 166 |
| 西王母····· | 154 | 望闻问切····· | 167 |
| 八仙····· | 154 | 扶正祛邪····· | 167 |
| 斋法与斋仪····· | 154 | 中药与方剂····· | 167 |
| 炼丹术····· | 155 | 人体的经络网····· | 167 |
| 太平道····· | 155 | 穴位····· | 168 |
| 正一道的流变····· | 155 | 针灸疗法····· | 168 |
| 全真道····· | 156 | 中医推拿术····· | 168 |
| 天师张道陵····· | 156 | 药膳····· | 169 |
| 葛洪····· | 156 | 扁鹊····· | 169 |
| 陆修静····· | 157 | 张仲景····· | 169 |
| 陶弘景····· | 157 | 华佗····· | 169 |
| 丘处机····· | 157 | 孙思邈····· | 170 |
| 张三丰····· | 157 | 李时珍····· | 170 |
| 道藏····· | 158 | | |

第四篇 天人之学

天文历算

| | |
|------------------|-----|
| 观象授时····· | 160 |
| 天文历法与政权····· | 160 |
| 灾异与人事····· | 160 |
| 受天命，改正朔····· | 161 |
| 日、气、朔····· | 161 |
| 干支计时纪年····· | 161 |
| “天文志”与“五行志”····· | 162 |
| 二十八宿····· | 162 |
| 黄道与黄道吉日····· | 162 |

第五篇 文学

古代文体

| | |
|------------|-----|
| 神话传说····· | 172 |
| 诗····· | 172 |
| 楚辞····· | 172 |
| 乐府诗····· | 172 |
| 南北朝民歌····· | 173 |
| 古体诗····· | 173 |
| 近体诗····· | 174 |
| 词····· | 174 |
| 曲····· | 175 |
| 文····· | 175 |

| | |
|-------|-----|
| 赋 | 175 |
| 骈文 | 176 |
| 古文 | 176 |
| 八股文 | 176 |
| 明代小品文 | 177 |
| 小说 | 177 |
| 变文 | 177 |
| 唐传奇 | 178 |
| 笔记小说 | 178 |
| 话本小说 | 178 |
| 章回小说 | 179 |
| 诗话与词话 | 179 |
| 评点 | 180 |

文学流派

| | |
|-----------|-----|
| 建安风骨 | 180 |
| 玄言诗 | 180 |
| 田园诗 | 181 |
| 山水诗 | 181 |
| 宫体诗 | 181 |
| 边塞诗 | 182 |
| 新乐府运动 | 182 |
| 西昆体 | 182 |
| 江西诗派 | 183 |
| 永嘉四灵 | 183 |
| 台阁体 | 183 |
| 江左三大家 | 183 |
| 唐诗派 | 184 |
| 宋诗派 | 184 |
| 诗界革命 | 184 |
| 花间派 | 185 |
| 婉约派 | 185 |
| 豪放派 | 185 |
| 常州词派 | 185 |
| 公安派和竟陵派 | 186 |
| 桐城派 | 186 |
| 讲史小说 | 186 |
| 六朝志怪和志人小说 | 187 |
| 神魔小说 | 187 |
| 世情小说 | 187 |
| 才子佳人小说 | 188 |
| 公案小说 | 188 |
| 谴责小说 | 188 |

文论

| | |
|-------|-----|
| 诗言志 | 189 |
| 诗缘情 | 189 |
| 诗可以观 | 189 |
| 赋、比、兴 | 190 |
| 诗无达诂 | 190 |
| 诗庄词媚 | 190 |
| 美刺 | 190 |
| 诗教 | 191 |
| 温柔敦厚 | 191 |
| 知人论世 | 191 |
| 文章 | 191 |
| 文以载道 | 192 |
| 文质 | 192 |
| 文气 | 192 |
| 风骨 | 193 |
| 意境 | 193 |
| 妙悟 | 193 |
| 选学 | 194 |
| 红学 | 194 |

杰出文学家

| | |
|--------|-----|
| 屈原 | 194 |
| 贾谊 | 194 |
| 司马相如 | 195 |
| 班固 | 195 |
| 曹操 | 195 |
| 曹植 | 196 |
| 阮籍 | 196 |
| 陶渊明 | 196 |
| 谢灵运 | 197 |
| 陈子昂 | 197 |
| 初唐四杰 | 197 |
| 孟浩然 | 198 |
| 王维 | 198 |
| 李白 | 198 |
| 王昌龄与岑参 | 199 |
| 杜甫 | 199 |
| 韩愈 | 199 |
| 白居易 | 200 |
| 刘禹锡 | 200 |
| 柳宗元 | 200 |

| | |
|--------|-----|
| 郊寒岛瘦 | 201 |
| 李贺 | 201 |
| 杜牧 | 201 |
| 李商隐 | 202 |
| 李煜 | 202 |
| 唐宋八大家 | 203 |
| 柳永 | 203 |
| 晏殊、晏几道 | 203 |
| 欧阳修 | 204 |
| 王安石 | 204 |
| 苏轼 | 204 |
| 周邦彦 | 205 |
| 李清照 | 205 |
| 陆游 | 205 |
| 辛弃疾 | 206 |
| 姜夔 | 206 |
| 元好问 | 206 |
| 元曲四大家 | 207 |
| 徐渭 | 207 |
| 汤显祖 | 207 |
| 蒲松龄 | 208 |
| 吴敬梓 | 208 |
| 曹雪芹 | 208 |

第六篇 史 学

史书的体裁

| | |
|-------|-----|
| 正史 | 210 |
| 杂史 | 210 |
| 别史 | 210 |
| 野史 | 210 |
| 纪传体 | 211 |
| 编年体 | 211 |
| 纪事本末体 | 211 |
| 典志体 | 211 |
| 会要体 | 212 |
| 学案体 | 212 |
| 起居注 | 212 |
| 实录 | 212 |
| 方志 | 213 |
| 类书 | 213 |
| 丛书 | 213 |

史论

| | |
|---------|-----|
| 属辞比事 | 213 |
| 春秋笔法 | 213 |
| 董狐笔和太史简 | 214 |
| 成一家之言 | 214 |
| 六家二体 | 215 |
| 五志三科 | 215 |
| 彰善瘅恶 | 215 |
| 直书与曲笔 | 215 |
| 博采与善择 | 216 |
| 史才三长 | 216 |
| 史学三要 | 216 |
| 六经皆史 | 216 |
| 史法与史意 | 216 |

著名史学家

| | |
|-----|-----|
| 董狐 | 216 |
| 司马迁 | 217 |
| 刘向 | 217 |
| 班固 | 218 |
| 刘知几 | 218 |
| 杜佑 | 218 |
| 司马光 | 218 |
| 马端临 | 219 |
| 顾炎武 | 219 |
| 赵翼 | 219 |
| 钱大昕 | 220 |
| 章学诚 | 220 |
| 崔述 | 220 |

学制和教育

| | |
|-------|-----|
| 学制 | 221 |
| 太学的变迁 | 221 |
| 国子监 | 221 |
| 官学 | 222 |
| 稷下学宫 | 222 |
| 鸿都门学 | 222 |
| 太学 | 222 |
| 学官 | 223 |
| 古代的博士 | 223 |
| 同文馆 | 223 |
| 通儒院 | 223 |

| | |
|----------|-----|
| 京师大学堂 | 223 |
| 学位 | 224 |
| 私学 | 224 |
| 孔门四科 | 225 |
| 六艺 | 225 |
| 孔门十哲 | 225 |
| 书院制度 | 225 |
| 四大书院 | 226 |
| 东林书院 | 226 |
| 私塾 | 227 |
| 古代对老师的称呼 | 227 |
| 洋务学堂 | 227 |
| 留学生 | 227 |
| 孔子论学 | 228 |
| 有教无类 | 228 |
| 因材施教 | 228 |
| 不愤不启 | 229 |
| 学、思、习结合 | 229 |
| 广博专精 | 229 |

语言文字

| | |
|----------|-----|
| 小学 | 229 |
| 仓颉造字 | 229 |
| 甲骨文 | 230 |
| 大篆 | 230 |
| 小篆 | 230 |
| 隶书、行书与楷书 | 230 |
| 文言 | 231 |
| 白话文 | 231 |
| 古代文字学 | 232 |
| 音韵学 | 232 |
| 字母 | 232 |
| 《方言》 | 232 |
| 《说文解字》 | 233 |
| 《释名》 | 233 |
| 《广雅》 | 233 |
| 《康熙字典》 | 233 |
| 《经籍纂诂》 | 234 |
| 《马氏文通》 | 234 |

第七篇 文化艺术

乐舞

| | |
|---------|-----|
| 古琴 | 236 |
| 编钟 | 236 |
| 磬 | 236 |
| 箜篌 | 236 |
| 古筝 | 237 |
| 琵琶 | 237 |
| 笛子 | 237 |
| 箫 | 238 |
| 二胡 | 238 |
| 六代乐舞 | 238 |
| 雅乐 | 239 |
| 诗乐 | 239 |
| 楚声 | 239 |
| 燕乐 | 239 |
| 李延年 | 240 |
| 赵飞燕 | 240 |
| 万宝常 | 240 |
| 李龟年 | 241 |
| 唐玄宗 | 241 |
| 杨贵妃 | 241 |
| 《渔樵问答》 | 242 |
| 《胡笳十八拍》 | 242 |
| 《广陵散》 | 242 |
| 《平沙落雁》 | 242 |
| 《十面埋伏》 | 243 |

戏曲

| | |
|--------|-----|
| 戏曲 | 243 |
| 杂剧 | 243 |
| 传奇 | 244 |
| 昆曲 | 244 |
| 京剧 | 244 |
| 四大徽班进京 | 245 |
| 唱念做打 | 245 |
| 脸谱 | 245 |

| | | | |
|------------------|-----|----------------|-----|
| 梨园行····· | 246 | 中国三大石窟····· | 259 |
| 秦腔····· | 246 | 大足石刻····· | 260 |
| 川剧····· | 247 | 秦始皇陵兵马俑····· | 260 |
| 豫剧····· | 247 | | |
| 粤剧····· | 248 | 书法与篆刻 | |
| 古典十大悲剧····· | 248 | 中国书法····· | 261 |
| 绘画与雕塑 | | 书体····· | 261 |
| 中国画····· | 248 | 王羲之与《兰亭序》····· | 261 |
| 人物画····· | 249 | 颠张醉素····· | 262 |
| 山水画····· | 249 | 颜筋柳骨····· | 262 |
| 花鸟画····· | 249 | 宋四家····· | 263 |
| 文人画····· | 250 | 董其昌····· | 263 |
| 意在笔先····· | 250 | 汉魏碑刻····· | 264 |
| 气韵说····· | 250 | 大盂鼎····· | 264 |
| 意境说····· | 250 | 礼器碑····· | 264 |
| 诗中有画，画中有诗····· | 251 | 史晨碑····· | 265 |
| 笔法····· | 251 | 张迁碑····· | 265 |
| 墨法····· | 251 | 《淳化阁帖》····· | 265 |
| 水墨写意····· | 252 | 《三希堂法帖》····· | 266 |
| 工笔····· | 252 | “永字八法”····· | 266 |
| 白描····· | 252 | 中国印章····· | 266 |
| 十八描····· | 252 | 篆刻····· | 267 |
| 用色····· | 253 | 篆刻家文彭····· | 267 |
| 构图与透视····· | 253 | 徽派篆刻····· | 267 |
| 题款与印章····· | 254 | 浙派篆刻····· | 268 |
| “虎头三绝”顾恺之····· | 254 | 文房四宝····· | 268 |
| 展子虔和《游春图》····· | 254 | 中华建筑 | |
| 阎立本兄弟····· | 255 | 中国古代建筑····· | 268 |
| “画圣”吴道子····· | 255 | 六大古都····· | 269 |
| 唐代仕女画····· | 255 | 古城墙····· | 270 |
| 江南画派····· | 256 | 万里长城····· | 270 |
| 书画皇帝····· | 256 | 中国宫殿建筑····· | 270 |
| 张择端和《清明上河图》····· | 256 | 阿房宫····· | 271 |
| 赵孟頫····· | 257 | 故宫····· | 271 |
| 元四家····· | 257 | 天坛····· | 271 |
| 浙派····· | 257 | 陵墓建筑····· | 272 |
| 吴门画派····· | 257 | 古塔····· | 272 |
| 唐寅····· | 258 | 卢沟桥····· | 273 |
| 扬州八怪····· | 258 | 赵州桥····· | 273 |
| 吴昌硕····· | 258 | 石窟建筑艺术····· | 273 |
| 永乐宫壁画····· | 259 | 皇家园林····· | 273 |
| 汉代画像石与画像砖····· | 259 | 避暑山庄····· | 274 |

| | |
|------------|-----|
| 圆明园 | 274 |
| 颐和园 | 274 |
| 苏州园林 | 275 |
| 牌坊、阙、华表、影壁 | 275 |
| 会馆 | 276 |
| 江南三大名楼 | 276 |
| 平遥古城 | 276 |
| 中国民居 | 277 |
| 北京四合院 | 277 |

第八篇 民俗节日

节日

| | |
|-----|-----|
| 春节 | 280 |
| 人日 | 280 |
| 立春 | 280 |
| 元宵节 | 281 |
| 二月二 | 281 |
| 上巳节 | 281 |
| 社日 | 282 |
| 清明节 | 282 |
| 端午节 | 282 |
| 七夕 | 282 |
| 中元 | 283 |
| 中秋节 | 283 |
| 重阳节 | 283 |
| 冬至 | 283 |
| 腊八 | 284 |
| 小年 | 284 |
| 除夕 | 284 |

礼俗

| | |
|------|-----|
| 做满月 | 285 |
| 抓周 | 285 |
| 长命锁 | 286 |
| 取名 | 286 |
| 百日礼 | 287 |
| 成年礼 | 287 |
| 十二生肖 | 287 |
| 三书六礼 | 288 |
| 说媒 | 288 |
| 相亲 | 289 |

| | |
|-------|-----|
| 过礼 | 289 |
| 择吉 | 289 |
| 迎娶 | 290 |
| 哭嫁 | 290 |
| 拜堂 | 290 |
| 喜宴 | 291 |
| 入洞房 | 291 |
| 回门 | 291 |
| 做寿 | 292 |
| 丧礼 | 292 |
| 挽歌和挽联 | 292 |

饮食文化

| | |
|------|-----|
| 烧尾宴 | 293 |
| 满汉全席 | 293 |
| 宫廷御膳 | 294 |
| 中国菜系 | 294 |
| 宴饮之礼 | 294 |
| 待客之礼 | 295 |
| 进食之礼 | 295 |
| 席间雅兴 | 295 |
| 流觞 | 295 |
| 酒令 | 296 |
| 传花 | 296 |
| 茶道 | 296 |

称谓文化

| | |
|-------|-----|
| 姓氏的来源 | 296 |
| 名和字 | 297 |
| 别号 | 297 |
| 行辈 | 297 |
| 称谓 | 297 |
| 谦称 | 297 |
| 尊称 | 298 |
| 名讳 | 298 |
| 地望 | 298 |
| 帝王赐姓 | 298 |

古人的娱乐

| | |
|----|-----|
| 六博 | 299 |
| 投壶 | 299 |
| 围棋 | 299 |
| 射覆 | 299 |